BSES

विंटर ऐक्शन प्लान:

सर्दियों में 4800 मेगावॉट पहुंच सकती है बिजली की डिमांड

लोड फोरकास्टिंग व वेदर फोरकास्टिंग सिस्टम्स से मिलेगी बिजली के बेहतर प्रबंधन में मदद

नई दिल्ली: 15 नवंबर। इस बार सर्दियों में दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 4800 मेगावॉट तक पहुंच सकती है। बीआरपीएल इलाके में बिजली की मांग 1950 मेगवॉट और बीवाईपीएल क्षेत्र में 1223 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है।

पिछले साल ठंड के महीनों में राजधानी में बिजली की पीक डिमांड 4511 मेगावॉट पहुंची थी। बीआरपीएल क्षेत्र में बिजली की मांग 1888 मेगावॉट थी, जबकि बीवाईपील इलाके में 1136 मेगावॉट।

बीएसईएस ने बिजली की पीक डिमांड को पूरा करने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। ठंड के महीनों में बिजली की सुचारू आपूर्ति के लिए, बिजली के पर्याप्त इंतजाम कर लिए गए हैं। लॉन्ग टर्म आधार पर बिजली खरीद समझौतों के तहत, बीएसईएस को पीक डिमांड के हिसाब से पर्याप्त बिजली मिलेगी। पावर बैंकिंग मॉड्यूल के तहत भी दिसंबर से फरवरी माह के दौरान अतिरिक्त बिजली मिलेगी। इसके बावजूद, अगर किसी कारणवश अचानक बिजली की मांग अचानक बढ़ती है, तो पावर एक्सचेंज से शॉर्ट–टर्म आधार पर बिजली की खरीद की जाएगी।

अत्याधुनिक तकनीकों की बदौलत बीएसईएस अब बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगा सकती है। इसके लिए, लोड फोरकास्टिंग सिस्टम के अलावा मॉडलिंग तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिचित करने में ये तकनीकें काफी मददगार साबित होंगी।

लोड फोरकास्टिंग सिस्टम की मदद से बीएसईएस अब तीन स्तरों पर बिजली की डिमांड का करीब–करीब सटीक अनुमान लगा पाने में सक्षम होगी। कल बिजली की क्या मांग रहने वाली है, इसका पता लगाया जा सकता है। यह भी जाना जा सकता है कि परसों बिजली की क्या डिमांड होगी। इसके अलावा, इसका भी कैलकुलेशन किया जा सकता है कि अगले एक साल में बिजली की मांग में कितना उछाल आने की संभावना है।

चूंकि दिल्ली में बिजली की डिमांड के उतार–चढ़ाव में मौसम की बड़ी भुमिका होती है, इसलिए बिजली की मांग का अनुमान लगाते वक्त वेदर फोरकास्टिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कल का मौसम कैसा रहेगा, बारिश होगी, तापमान गिरेगा या बढ़ेगा, हवा की गति कैसी रहेगी, आदि। बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ले रही है। इन तकनीकों के इस्तेमाल से बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाकर उपभोक्ताओं को बिजली की सुचारू आपूर्ति करने में मदद मिलेगी।

बीएसईएस ने सर्दियों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, अभी से ही गर्मियों की तैयारियां भी शुरू कर दी है। इसके लिए पावर बैंकिंग मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है। बीएसईएस सर्दियों में कुछ ठंडे प्रदेशों को बिजली देगी और बदले में, वे ठंडे प्रदेश गर्मियों में बीएसईएस को बिजली वापस करेंगे, जिसका फायदा उपभोक्ताओं को गर्मियों में मिलेगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

....